प्रमाण-पत्र

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री जयकुमार धनपाल कुरुंदवाडे ने मेरे निर्देशन में "भगवतीचरण वर्माजी के समस्या-प्रधान उपन्यासों का अनुशीलन" यह लघु-शोध प्रबन्ध एम्.फिल्. उपाधि के लिए लिखा है। यह उनकी मौलिक रचना है। यह लघु-शोध प्रबन्ध पूर्ण योजना के अनुसार लिखा गया है। जो तथ्य इस लघु-शोध प्रबन्ध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। मैं संपूर्ण शोध प्रबन्ध को आद्योपान्त पढ़कर ही यह प्रमाणपत्र दे रहा हूँ। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि यह लघु शोध प्रबन्ध इसके पूर्व किसी भी विश्वविद्यालय में किसी भी उपाधि के हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया।

(प्राचार्य डॉ.बी.बी.पाटील)
एम.ए., पीएच्.डी.

कोल्हापुर।
दिनांक : १८ नवम्बर, १९८८।

••